

| 7. Mon. Verb. Cal.      | C Schein und Lauf.   | Himmelsereignisse.                               | Katholischer Heumonat. | Alter Cal. Junius.        | Bitterung nach dem Mondsviertel.  |  |
|-------------------------|--|--|------------------------|---------------------------|---|--|
| 1 Dienstag Theodor      | 2 13   | ☉ ☽ ♀ ♄. ☾ ☽. ☾ ☽.                               | Oct. J. L.             | 19 Gervas.                | Der neue Mond, den 2. Juli, ist fortwährend warm und angenehm.                  |  |
| 2 Mittw. Mar. Gmsf.     | Utq. N.  | ☽ 10 U. 20 M. Br. ☾.                             | Mar. Heimsf.           | 20 Sylver.                |   |  |
| 3 Donnerst. Cornelius   | 9 41   | den 2. ☽ in Erdferne.                            | 7. Oliva               | 21 Albanus                |   |  |
| 4 Freitag Ulricus       | 10 7   | Mars, rechtl. in der ♄,                          | Ulricus                | 22 Getthelf.              |   |  |
| 5 Sonnab. Charlotte     | 10 25  | geht 11 U. Nachts unter.                         | Philemon               | 23 Basilid.               |   |  |
| 28. Woche. Esaias       | Von Speisung 4000 Mann, Marc. 8. Ev. Luc. 16.                    |  | Ev. Luc. 14.           |                           |   |  |
| 6 Sonnt. 7. n. Trin.    | 10 40  | Jupiter, rechtl. in den ♃,                       | 8. S. n. Pf.           | 24 2. n. Trin. Joh. Tauf. | Das erste Viertel, d. 10. Juli, hält Ungewitter u. Regen.                       |  |
| 7 Montag Wilibald       | 10 52  | geht geg. 11 U. Nts. auf.                        | Robertus               | 25 Elegius                |   |  |
| 8 Dienstag Rilianus     | 11 3   | Bald nach der Mitte Juli                         | Rilianus               | 26 Jerem.                 |   |  |
| 9 Mittw. Cyrillus       | 11 13  | ☾ ☾ Erdf. wird Saturn                            | Cyrillus               | 27 7 Schläf.              |   |  |
| 10 Donnerst. 7 Brüder   | 11 23  | ☽ 8 U. 12 M. Br. ☾.                              | 7 Brüder               | 28 Leo P.                 |   |  |
| 11 Freitag Pius Papst   | 11 38  | d. 10. ☾. in d. ♃ wie-                           | Pius P.                | 29 Pet. Paul              | Der volle Mond, den 17. Juli, ist trübe und regnet.                             |  |
| 12 Sonnab. Heinrich     | 11 53  | ☽ ☽ ☽. der sichtbar; er                          | J. Gualb.              | 30 Paul G.                |   |  |
| 29. Woche. Margaretha   | Vom falschen Propheten, Matth. 7. Ev. Luc. 19.                   |  | Ev. Luc. 15.           |                           |   |  |
| 13 Sonnt. 8. n. Trin.   | Utq. B.  | geht 2 <sup>1</sup> / <sub>2</sub> Uhr früh auf. | 9. S. n. Pf.           | 1 3. Trin.                |   | Das letzte Viertel, den 24. Juli, läßt milde Wärme erwarten. |
| 14 Montag Bonavent.     | 0 16   | ☽ größte westl. Ausweich.                        | Bonavent.              | 2 Mar. G.                 |   |  |
| 15 Dienstag Ap. Theil.  | 0 48   | Mercur ist von der Mitte                         | Apost. Theil.          | 3 Cornel.                 |   |  |
| 16 Mittw. Raphael       | 1 34   | bis geg. Ende Juli                               | Scap. Fest             | 4 Ulricus                 |   |  |
| 17 Donnerst. Alexius    | Afg. N.  | ☽ 10 U. 20 Min. Nchts.                           | Alexius                | 5 Alexius                 |   |  |
| 18 Freitag Eugenius     | 9 9  | ☽ ☽ ♄. des Morg. am                              | Arnolph                | 6 Esaias                  | Der neue Mond, den 31. Juli, hält mit warmer Bitterung an.                      |  |
| 19 Sonnab. Ruffinus     | 9 33   | Osthimmel in der Nähe                            | Sigbert                | 7 Wilibald                |   |  |
| 30. Woche. Elias        | Vom ungerechten Haushalter, Luc. 16. Ev. Luc. 18.                |  | Ev. Luc. 6.            |                           |   |  |
| 20 Sonnt. 9. n. Trin.   | 9 50   | ☽ ☽ ☽. des Saturn                                | 10. S. n. Pf.          | 8 4. Trin.                |   | Der neue Mond, den 31. Juli, hält mit warmer Bitterung an.   |
| 21 Montag Praxedes      | 10 5   | ☾ in Erdnähe. (sichtbar.)                        | Daniel                 | 9 Cyrillus                |   |  |
| 22 Dienstag M. Magd.    | 10 17  | ☽ im ♃. Hundst. Anfang.                          | Mar. Magd.             | 10 Gottlob                |   |  |
| 23 Mittw. Apollinar.    | 10 32  | ☽ nahe südl. v. 4. ☾.                            | Apollinar.             | 11 Pius                   |   |  |
| 24 Donnerst. Christina  | 10 47  | ☽ 3 Uhr 51 M. Nachm.                             | Christina              | 12 Heinrich               |   |  |
| 25 Freitag Jacobus      | 11 6   | Uranus kommt in den                              | Jacobus                | 13 Margar.                | Bitterungsregeln.<br>Gut Wetter, das des Nachts einfällt, dauert niemals lange. |  |
| 26 Sonnab. Anna         | 11 34  | ☾ ☽. letzten Tagen Juli's                        | Anna                   | 14 Bonav.                 |   |  |
| 31. Woche. Martha       | Von der Zerstörung Jerusalems, Luc. 19. Ev. Marc. 7. Ev. Luc. 5. |  |                        |                           |   |  |
| 27 Sonnt. 10. n. Trin.  | Afg. B.  | wieder zum Vorschein;                            | 11. S. n. Pf.          | 15 5. n. Trin. Ap. Theil. |   | Gut Wetter, das des Nachts einfällt, dauert niemals lange.   |
| 28 Montag Pantaleon     | 0 8  | er ist rechtläuf. im ♃,                          | Naz. v. G.             | 16 Raphael                |   |  |
| 29 Dienstag Beatrix     | 0 58   | ☽. und geht 11 <sup>1</sup> / <sub>2</sub> Uhr   | Beatrix                | 17 Alexius                |   |  |
| 30 Mittw. Ruth          | 2 2  | ☽ ☽. Nachts auf.                                 | Abdon M.               | 18 Eugen.                 |   |  |
| 31 Donnerst. Florentina | Utq. N.  | ☽ 9 Uhr 58 M. Ab.                                | Ignatius               | 19 Florent.               |   |  |

So sauer ringt die kargen Loose  
Der Mensch dem harten Himmel ab;  
Doch leicht erworben, aus dem Schooße  
Der Götter, fällt das Glück herab.